

निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड - क

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए :

1 x 5 = 5

संस्कृत के शब्द गुरु का अर्थ है अन्धकार, रु का अर्थ है उस अंधकार को मिटाने वाला। आत्मबल को जगाने का काम गुरु ही करता है। गुरु अपने आत्मबल द्वारा शिष्य में ऐसी प्रेरणाएँ भरता है, जिससे कि वह अच्छे मार्ग पर चल सके। हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तंभ गुरु हैं। कई ऐसे गुरु हुए हैं, जिन्होंने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आध्यात्मिक शांति, धार्मिक ज्ञान और सांसारिक निर्वाह सभी के लिए गुरु का दिशा निर्देश बहुत महत्वपूर्ण होता है। गुरु केवल एक शिक्षक ही नहीं है, अपितु वह व्यक्ति को जीवन के हर संकट से बाहर निकलने का मार्ग बताने वाला मार्गदर्शक भी है। गुरु का दर्जा भगवान के बराबर माना जाता है क्योंकि गुरु, व्यक्ति और सर्वशक्तिमान के बीच एक कड़ी का काम करता है। जीवन में गुरु के महत्त्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मीयता से किया है।

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े का के लागु पाँव,

बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय।

भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को ही गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु की पूजा करते हैं।

1. संस्कृत के गुरु शब्द का क्या अर्थ है?
 - क) अंधकार को मिटाने वाला
 - ख) मिटाने वाला
 - ग) सुसंस्कृत
 - घ) दयालु
2. कौन-कौन से क्षेत्र में लिए गुरु का दिशा निर्देश बहुत महत्वपूर्ण होता है?
 - क) आध्यात्मिक शांति
 - ख) धार्मिक ज्ञान
 - ग) सांसारिक निर्वाह
 - घ) उपर्युक्त सभी के लिए
3. गुरु का दर्जा भगवान के बराबर क्यों माना जाता है?
 - क) गुरु, व्यक्ति और सर्वशक्तिमान के बीच एक कड़ी का काम करता है
 - ख) बुजुर्ग है
 - ग) जानी है
 - घ) श्रेष्ठ कुल से है
4. भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व कब मनाते हैं?
 - क) आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा
 - ख) शुक्ल पक्ष में
 - ग) अमावस्या के दिन
 - घ) आषाढ़ी बीज को
5. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
 - क) ज्ञान
 - ख) ज्ञान ही ईश्वर
 - ग) ज्ञान का महत्त्व

घ) गुरु का महत्त्व

खंड - ख

प्रश्न 2. i) किन्हीं तीन शब्दों के अर्थ लिखिए :

3 x 1 = 3

- क) विशाल
- ख) रिपु
- ग) सुरलोक
- घ) मृग
- ङ) बालू

ii) किन्हीं चार मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

4 x 1 = 4

- क) अपने पैरों पर खड़ा होना
- ख) अकल का दुश्मन
- ग) ईद का चाँद होना
- घ) उड़ती चिड़िया पहचानना
- ङ) कुत्ते की मौत करना
- च) कलेजे पर हाथ रखना

iii) किन्हीं दो अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

2 x 1 = 2

- क) महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा।
- ख) मुझे सफल होने की निराशा है।
- ग) तेरी बात सुनते-सुनते कान पक गए।
- घ) युग की माँग का यह बीड़ा कौन चबाता है।

iv) किन्हीं दो अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कीजिए :

2 x 1 = 2

अशुद्ध	शुद्ध
परिस्थित	
प्रतिक्षा	
पांचवा	

v) किन्हीं तीन शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए $3 \times 1 = 3$

- क) घर
- ख) अमृत
- ग) असुर
- घ) अग्नि
- ङ) अश्व
- च) आकाश

vi) किन्हीं तीन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : $3 \times 1 = 3$

- क) मंगल
- ख) महंगा
- ग) व्यावहारिक
- घ) राग
- ङ) विनम्रता
- च) विजय

vii) किन्हीं दो वाक्यों में आए क्रिया के भेद लिखो $2 \times 1 = 2$

- क) राकेश रोता है।
- ख) साँप रेंगता है।
- ग) मैं लेख लिखता हूँ।
- घ) सुरेश मिठाई खाता है।

viii) किन्हीं दो वाक्यों में आए सकर्मक क्रिया के भेद लिखो $2 \times 1 = 2$

- क) पिता ने पुत्र को पुस्तक पढ़ाई।
- ख) वह पुस्तक पढ़ता है।
- ग) राजा ने ब्राह्मण को दान दिया।
- घ) मालिक नौकर को पैसे देता है।

ix)

1. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों के भेद

पहचानिए :

1x1 =1

अ) हेमा इंद्रधनुष की सुंदरता को देखकर प्रसन्नता से उछल पड़ी।

क) भाववाचक

ख) द्रव्यवाचक

ग) समूहवाचक

घ) व्यक्तिवाचक

2. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम

लिखिए :

1x1=1

सप्ताह

x) संधि विच्छेदकर संधि का नाम लिखिए :

2 x 1 = 2

देवालय, मनोरंजन

खंड - ग

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

2 x 4 = 8

1. "यह कठिन समय नहीं है?" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

2. पत्र जैसा संतोष फ़ोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?

प्रश्न 4. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रूप में लिखिए :

3 x 3 = 9

1. पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए? लिखिए।

2. कबीर घास की निंदा करने से मना करते हैं। कबीर के दोहे में 'घास' का विशेष अर्थ क्या है और कबीर के उक्त दोहे में संदेश क्या है?

3. वस्तु विनिमय क्या है? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है?

4. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

प्रश्न 5. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

4 x 2 = 8

1. कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है?
2. कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?
3. भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटानेवाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है?
4. पक्षियों और बादल की चिड़ियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?
5. चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी? लिखिए।

प्रश्न 6. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

5 x 1 = 5

- क) बदलू क्या काम करता था?
- ख) लेखक के मन में बस को देखकर श्रद्धा क्यों उमड़ पड़ी?
- ग) भगवान के डाकिए कौन हैं?
- घ) टिकट बाबू लेखक को ढूँढ़ता हुआ क्यों आया?
- ङ) चिड़िया चोंच में तिनका दबाए उड़ने की तैयारी में क्यों है?
- च) मनुष्य का मन कैसा होना चाहिए?
- छ) कविता का शीर्षक 'ध्वनि' इस शब्द से आप क्या समझते हैं?
- ज) प्राचीन काल में संचार के साधन कैसे थे?

प्रश्न 7. दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए :

5 x 1 = 5

बस को देखा तो श्रद्धा उमड़ पड़ी। खूब वयोवृद्ध थी। सदियों के अनुभव के निशान लिए हुए थी। लोग इसलिए इससे सफ़र नहीं करना चाहते कि वृद्धा अवस्था में इसे कष्ट होगा। यह बस पूजा के योग्य थी। उस पर सवार कैसे हुआ जा सकता है !

1. पाठ का नाम क्या है?

- क) बस की यात्रा ख) लाख की चूड़ियाँ
- ग) दीवानों की हस्ती घ) ध्वनि

2. लेखक के मन में बस को देखकर कैसा भाव उमड़ा?

क) प्रेम ख) श्रद्धा ग) दया घ) इनमें से कोई नहीं

3. लोग इस बस में सफ़र क्यों नहीं करना चाहते थे?

क) क्योंकि बस में सीटें बहुत कम थीं

ख) क्योंकि बस के चलने के आसार ही दिखाई नहीं देते थे।

ग) क्योंकि बस अपनी जर्जर अवस्था के कारण कहीं भी धोखा दे सकती थी।

घ) इनमें से कोई नहीं

4. 'बस पूजा के योग्य है' ऐसा भाव लोगों मन में क्यों आता था?

क) क्योंकि वह सफ़र के योग्य नहीं थी

ख) क्योंकि लोग उस पर अपार विश्वास करते थे

ग) क्योंकि वह बहुत सजी-धजी थी

घ) क्योंकि बस सरपट भाग सकती थी

5. लेखक ने बस का मानवीकरण किसके रूप में किया है?

क) क्योंकि वह बहुत साफ सुथरी थी

ख) क्योंकि वह लेखक को एक बूढ़ी महिला की भाँति लगी

ग) क्योंकि वह वृद्धों को ही बैठाती थी

घ) क्योंकि वृद्धों ने उसे चलने से रोक दिया था

प्रश्न 8. दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर

लिखिए :

5 x 1 = 5

अभी न होगा मेरा अंत

अभी-अभी ही तो आया है

मेरे वन में मृदुल वसंत -

अभी न होगा मेरा अंत।

हरे-हरे ये पात,

डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।

मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूंगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।

1. कविता का नाम क्या है?
क) बस की यात्रा ख) लाख की चूड़ियाँ
ग) दीवानों की हस्ती घ) ध्वनि
2. कवि अपने जीवन का अंत क्यों नहीं चाहता?
क) कवि बहुत लंबी उम्र तक जीना चाहता है
ख) वह अपने जीवन के उद्देश्यों को पूरा कर यश कमाना चाहता है
ग) वह अपने जीवन को फूलों सा महकाना चाहता है
घ) वह प्रकृति का अंश बनना चाहता है
3. 'वन में मृदुल वसंत' पंक्ति से क्या आशय है?
क) वन रूपी जीवन में वसंत का आगमन होना
ख) नए कार्यों को करने के लिए
ग) यश प्राप्ति के लिए
घ) इनमें से कोई नहीं
4. कवि अलसाई कलियों पर अपने कोमल कर का स्पर्श क्यों करना चाहता है?
क) कवि प्रकृति के अवसाद व आलस्य को समाप्त करना चाहता है
ख) कवि प्रेम का अहसास करना चाहता है
ग) क्योंकि कवि फूलों के सौंदर्य से परिचित होना चाहता है
घ) क्योंकि कवि फूलों को सौंदर्य से परिचित करना चाहता है

5. कवि प्रकृति के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं?

क) प्रकृति खिली रहे

ख) उसके जीवन का आलस्य, निराशा व प्रमाद सब दूर हो जाए और वह नवीन कार्यों की ओर अग्रसर हो सके

ग) वह आगे बढ़ता रहे

घ) अनवीनता की खोज

खंड - घ

प्रश्न 9. दूरदर्शन वरदान या अभिशाप - इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए 5

प्रश्न 10. मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए। 5

निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड - क

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए :

$$1 \times 5 = 5$$

संस्कृत के शब्द गुरु का अर्थ है अन्धकार, रु का अर्थ है उस अंधकार को मिटाने वाला। आत्मबल को जगाने का काम गुरु ही करता है। गुरु अपने आत्मबल द्वारा शिष्य में ऐसी प्रेरणाएँ भरता है, जिससे कि वह अच्छे मार्ग पर चल सके। हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तंभ गुरु हैं। कई ऐसे गुरु हुए हैं, जिन्होंने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आध्यात्मिक शांति, धार्मिक ज्ञान और सांसारिक निर्वाह सभी के लिए गुरु का दिशा निर्देश बहुत महत्वपूर्ण होता है। गुरु केवल एक शिक्षक ही नहीं हैं, अपितु वह व्यक्ति को जीवन के हर संकट से बाहर निकलने का मार्ग बताने वाला मार्गदर्शक भी है। गुरु का दर्जा भगवान के बराबर माना जाता है क्योंकि गुरु, व्यक्ति और सर्वशक्तिमान के बीच एक कड़ी का काम करता है। जीवन में गुरु के महत्त्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मीयता से किया है।

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े का के लागु पाँव,
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय।

भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को ही गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु की पूजा करते हैं।

1. संस्कृत के गुरु शब्द का क्या अर्थ है?

- क) अंधकार को मिटाने वाला
- ख) मिटाने वाला
- ग) सुसंस्कृत
- घ) दयालु

2. कौन-कौन से क्षेत्र में लिए गुरु का दिशा निर्देश बहुत महत्वपूर्ण होता है?

- क) आध्यात्मिक शांति
- ख) धार्मिक ज्ञान
- ग) सांसारिक निर्वाह
- घ) उपर्युक्त सभी के लिए

3. गुरु का दर्जा भगवान के बराबर क्यों माना जाता है?

- क) गुरु, व्यक्ति और सर्वशक्तिमान के बीच एक कड़ी का काम करता है
- ख) बुजुर्ग है
- ग) जानी है
- घ) श्रेष्ठ कुल से है

4. भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व कब मनाते हैं?

- क) आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा
- ख) शुक्ल पक्ष में
- ग) अमावस्या के दिन
- घ) आषाढ़ी बीज को

5. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

क) ज्ञान

ख) ज्ञान ही ईश्वर

ग) ज्ञान का महत्त्व

घ) गुरु का महत्त्व

खंड - ख

प्रश्न 2. i) किन्हीं तीन शब्दों के अर्थ लिखिए :

3 x 1 = 3

क) विशाल - विराट

ख) रिपु - शत्रु

ग) सुरलोक - स्वर्ग

घ) मृग - हिरण

ङ) बालू - रेत

ii) किन्हीं चार मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

4 x 1 = 4

क) अपने पैरों पर खड़ा होना - नवयुवकों को अपने पैरों पर खड़े होना चाहिए।

ख) अक्ल का दुश्मन - शिव को समझाने से कोई लाभ नहीं, वह तो अक्ल का दुश्मन है।

ग) ईद का चाँद होना - नयी जिम्मेदारियों के कारण आजकल सुरेश ईद का चाँद बन गया है।

घ) उड़ती चिड़िया पहचानना - हमारी अध्यापिका इतनी अनुभवी हैं कि उसे उड़ती चिड़िया पहचानने में देर नहीं लगती।

ङ) कुत्ते की मौत करना - जो लोग गलत काम करते हैं वह सदा कुत्ते की मौत मरते हैं।

च) कलेजे पर हाथ रखना - अपने कलेजे पर हाथ रखकर कहो कि क्या तुम पढ़ाई करते हो?

iii) किन्हीं दो अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

2 x 1 = 2

क) महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा।

उत्तर : महाभारत अठारह दिन तक चलता रहा।

ख) मुझे सफल होने की निराशा है।

उत्तर : मुझे सफल होने की आशा नहीं है।

ग) तेरी बात सुनते-सुनते कान पक गए।

उत्तर : तेरी बातें सुनते-सुनते कान पक गए।

घ) युग की माँग का यह बीड़ा कौन चबाता है।

उत्तर : युग की माँग का यह बीड़ा कौन उठाता है।

iv) किन्हीं दो अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कीजिए :

2 x 1 = 2

अशुद्ध	शुद्ध
परिस्थित	परिस्थिति
प्रतिक्षा	प्रतीक्षा
पांचवा	पाँचवाँ
पितांबर	पीतांबर

v) किन्हीं तीन शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए

3 x 1 = 3

क) घर - गृह, सदन, आवास, आलय, गेह, निवास, निलय, मंदिर।

ख) अमृत - सुधा, सोम, पीयूष, अमिय।

ग) असुर - राक्षस, दैत्य, दानव, निशाचर।

घ) अग्नि - आग, अनल, पावक, वह्नि।

ङ) अश्व - घोड़ा, हय, तुरंग, बाजी।

च) आकाश - गगन, नभ, आसमान, व्योम, अंबर।

vi) किन्हीं तीन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

3 x 1 = 3

क) मंगल x अमंगल

ख) महंगा x सस्ता

ग) व्यावहारिक x अव्यावहारिक

- घ) राग x द्वेष
ड) विनम्रता x घमंड
च) विजय x पराजय

vii) किन्हीं दो वाक्यों में आए क्रिया के भेद लिखो $2 \times 1 = 2$

- क) राकेश रोता है। - अकर्मक
ख) साँप रेंगता है। - अकर्मक
ग) मैं लेख लिखता हूँ। - सकर्मक
घ) सुरेश मिठाई खाता है। - सकर्मक

viii) किन्हीं दो वाक्यों में आए सकर्मक क्रिया के भेद लिखो $2 \times 1 = 2$

- क) पिता ने पुत्र को पुस्तक पढ़ाई। - द्विकर्मक
ख) वह पुस्तक पढ़ता है। - एककर्मक
ग) राजा ने ब्राह्मण को दान दिया। - द्विकर्मक
घ) मालिक नौकर को पैसे देता है। - द्विकर्मक

ix)

1. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों के भेद

पहचानिए :

$1 \times 1 = 1$

अ) हेमा इंद्रघनुष की सुंदरता को देखकर प्रसन्नता से उछल पड़ी।

- क) भाववाचक
ख) द्रव्यवाचक
ग) समूहवाचक
घ) व्यक्तिवाचक

2. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम

लिखिए :

1x1=1

सप्ताह

समस्त पद	विग्रह	समास का नाम
सप्ताह	सात दिनों का समूह	द्विगु समास

x) संधि विच्छेदकर संधि का नाम लिखिए :

2 x 1 = 2

देवालय, मनोरंजन

शब्द	संधि विच्छेद	संधि का नाम
देवालय	देव + आलय	स्वर संधि
मनोरंजन	मनः + रंजन	विसर्ग संधि

खंड - ग

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

2 x 4 = 8

1. "यह कठिन समय नहीं है?" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : "यह कठिन समय नहीं है?" - यह बताने के लिए कवि ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं -

- अभी भी चिड़िया चोंच में तिनका दबाए उड़ने को तैयार है क्योंकि वह नीड़ का निर्माण करना चाहती है।
- एक हाथ झड़ती हुई पत्ती को सहारा देने के लिए बैठा है।
- अभी भी एक रेलगाड़ी गंतव्य अर्थात् पहुँचने वाले स्थान तक जाती है।
- नानी की कथा का अखिरी हिस्सा बाकी है।
- अभी भी एक बस अंतरिक्ष के पार की दुनिया से बचे हुए लोगों की खबर लाएगी।

- अभी भी कोई किसी को कहता है कि जल्दी आ जाओ, सूरज डूबने का समय हो चला है।

2. पत्र जैसा संतोष फ़ोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?

उत्तर : पत्र जैसा संतोष फ़ोन या एसएमएस का संदेश नहीं दे सकता क्योंकि फ़ोन, एसएमएस द्वारा केवल कामकाजी बातों को संक्षिप्त रूप से व्यक्त कर सकते हैं। पत्रों द्वारा हम अपने मनोभावों को खुलकर व्यक्त कर सकते हैं। पत्रों से आत्मीयता झलकती है। इन्हें अनुसंधान का विषय भी बनाया जा सकता है। ये कई किताबों का आधार हैं। पत्र राजनीति, साहित्य तथा कला क्षेत्र में प्रगतिशील आंदोलन के कारण बन सकते हैं। यह क्षमता फ़ोन या एसएमएस द्वारा दिए गए संदेश में नहीं।

प्रश्न 4. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रूप में लिखिए : $3 \times 3 = 9$

1. पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए? लिखिए।

उत्तर : पत्र लेखन की कला को विकसित करने के लिए दुनिया के सभी देशों द्वारा पाठ्यक्रमों में पत्र लेखन का विषय शामिल किया गया। विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का कार्यक्रम सन् 1972 से शुरू किया गया।

2. कबीर घास की निंदा करने से मना करते हैं। कबीर के दोहे में 'घास' का विशेष अर्थ क्या है और कबीर के उक्त दोहे में संदेश क्या है?

उत्तर : घास का अर्थ है पैरों में रहने वाली तुच्छ वस्तु। कबीर अपने दोहे में उस घास तक की निंदा करने से मना करते हैं जो हमारे पैरों के तले होती है। कबीर के दोहे में 'घास'

प्रतीक है। कबीर के दोहे का संदेश^७ यही है कि व्यक्ति या प्राणी चाहे वह जितना भी छोटा हो उसे तुच्छ समझकर उसकी निंदा नहीं करनी चाहिए। हमें सबका सम्मान करना चाहिए।

3. वस्तु विनिमय क्या है? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है?

उत्तर : 'वस्तु विनिमय' में एक वस्तु को दूसरी वस्तु देकर लिया जाता था। वस्तु के लिए पैसे नहीं लिए जाते थे। वस्तु के बदले वस्तु ली-दी जाती थी। किन्तु अब मुद्रा के चलन के कारण वर्तमान परिवेश में वस्तु का लेन-देन मुद्रा के द्वारा होता है। विनिमय की प्रचलित पद्धति पैसा है।

4. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

उत्तर : दोषों का पर्दाफ़ाश करना तब बुरा रूप ले सकता है जब हम किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करके उसमें रस लेते हैं। या अब जब हमारे ऐसा करने से वे लोग उग्र रूप धारण कर किसी को हानि पहुँचाए।

प्रश्न 5. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

$$4 \times 2 = 8$$

1. कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है?

उत्तर : कबीर के दोहों को साखी इसलिए कहा जाता है क्योंकि इनमें श्रोता को गवाह बनाकर साक्षात् ज्ञान दिया गया है। कबीर समाज में फैली कुरीतियों, जातीय भावनाओं और बाह्य आडंबरों को इस ज्ञान द्वारा समाप्त करना चाहते थे।

2. कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

उत्तर : कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि अभी उसके मन में नया जोश व उमंग है। अभी उसे काफ़ी नवीन कार्य करने हैं। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहते हैं।

3. भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटानेवाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है?

उत्तर : यहाँ भिखमंगों की दुनिया से कवि का आशय है कि यह दुनिया केवल लेना जानती है देना नहीं। कवि ने भी इस दुनिया को प्यार दिया पर इसके बदले में उसे वह प्यार नहीं मिला जिसकी वह आशा करता है। कवि निराश है, वह समझता है कि प्यार और खुशियाँ लोगों के जीवन में भरने में असफल रहा। दुनिया अभी भी सांसारिक विषयों में उलझी हुई है।

4. पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

उत्तर : पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यही संदेश देते हैं।

5. चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी? लिखिए।

उत्तर : चिड़िया अपनी चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है क्योंकि सूरज डूबने का समय हो चुका है उसके डूबने से पहले चिड़िया अपने लिए घोंसला बनाना चाहती है। वह तिनके से अपने लिए घोंसला तैयार कर उसमें

अपने बच्चों के साथ रहेगी। घोंसला उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रश्न 6. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : $5 \times 1 = 5$

क) बदलू क्या काम करता था?

उत्तर : बदलू लाख की चूड़ियाँ बनाने का काम करता था।

ख) लेखक के मन में बस को देखकर श्रद्धा क्यों उमड़ पड़ी?

उत्तर : बस की जीर्ण-शीर्ण अवस्था देखकर लेखक के मन में बस के प्रति श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ा।

ग) भगवान के डाकिए कौन हैं?

उत्तर : भगवान के डाकिए पक्षी व बादल हैं।

घ) टिकट बाबू लेखक को ढूँढ़ता हुआ क्यों आया?

उत्तर : टिकट बाबू लेखक को इसलिए ढूँढ़ता हुआ आया क्योंकि वह उनके पैसे लौटाना चाहता था।

ङ) चिड़िया चोंच में तिनका दबाए उड़ने की तैयारी में क्यों है?

उत्तर : चिड़िया अपने बच्चों की सुरक्षा हेतु घोंसला बनाना चाहती है इसलिए चोंच में तिनका दबाए उड़ने की तैयारी में है।

च) मनुष्य का मन कैसा होना चाहिए?

उत्तर : मनुष्य का मन शांत और निर्मल होना चाहिए क्योंकि जिस मनुष्य का मन शांत और निर्मल होता है उसका कोई दुश्मन नहीं होता, सभी उससे स्नेह करते हैं।

छ) कविता का शीर्षक 'ध्वनि' इस शब्द से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : ध्वनि शब्द का अभिप्राय है 'आवाज़' इस कविता में ध्वनि शब्द अंतर्मन की पुकार हेतु प्रयोग किया गया है।

ज) प्राचीन काल में संचार के साधन कैसे थे?

उत्तर : प्राचीन काल में संचार के साधनों में हरकारे व तेज दौड़ने वाले घोड़े थे जो संदेशवाहकों का काम करते थे।

प्रश्न 7. दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर

चुनकर लिखिए :

5 x 1 = 5

बस को देखा तो श्रद्धा उमड़ पड़ी। खूब वयोवृद्ध थी। सदियों के अनुभव के निशान लिए हुए थी। लोग इसलिए इससे सफ़र नहीं करना चाहते कि वृद्धा अवस्था में इसे कष्ट होगा। यह बस पूजा के योग्य थी। उस पर सवार कैसे हुआ जा सकता है !

1. पाठ का नाम क्या है?

- क) बस की यात्रा ख) लाख की चूड़ियाँ
ग) दीवानों की हस्ती घ) ध्वनि

2. लेखक के मन में बस को देखकर कैसा भाव उमड़ा?

- क) प्रेम ख) श्रद्धा ग) दया घ) इनमें से कोई नहीं

3. लोग इस बस में सफ़र क्यों नहीं करना चाहते थे?

- क) क्योंकि बस में सीटें बहुत कम थीं
ख) क्योंकि बस के चलने के आसार ही दिखाई नहीं देते थे।
ग) क्योंकि बस अपनी जर्जर अवस्था के कारण कहीं भी धोखा दे सकती थी।
घ) इनमें से कोई नहीं

4. 'बस पूजा के योग्य है' ऐसा भाव लोगों मन में क्यों आता था?

क) क्योंकि वह सफ़र के योग्य नहीं थी

ख) क्योंकि लोग उस पर अपार विश्वास करते थे

ग) क्योंकि वह बहुत सजी-धजी थी

घ) क्योंकि बस सरपट भाग सकती थी

5. लेखक ने बस का मानवीकरण किसके रूप में किया है?

क) क्योंकि वह बहुत साफ सुथरी थी

ख) क्योंकि वह लेखक को एक बूढ़ी महिला की भाँति लगी

ग) क्योंकि वह वृद्धों को ही बैठाती थी

घ) क्योंकि वृद्धों ने उसे चलने से रोक दिया था

प्रश्न 8. दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर

लिखिए :

5 x 1 = 5

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत -
अभी न होगा मेरा अंत।
हरे-हरे ये पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।

1. कविता का नाम क्या है?

क) बस की यात्रा ख) लाख की चूड़ियाँ

ग) दीवानों की हस्ती घ) ध्वनि

2. कवि अपने जीवन का अंत क्यों नहीं चाहता?

क) कवि बहुत लंबी उम्र तक जीना चाहता है

- ख) वह अपने जीवन के उद्देश्यों को पूरा कर यश कमाना चाहता है
- ग) वह अपने जीवन को फूलों सा महकाना चाहता है
- घ) वह प्रकृति का अंश बनना चाहता है

3. 'वन में मृदुल वसंत' पंक्ति से क्या आशय है?

- क) वन रूपी जीवन में वसंत का आगमन होना
- ख) नए कार्यों को करने के लिए
- ग) यश प्राप्ति के लिए
- घ) इनमें से कोई नहीं

4. कवि अलसाई कलियों पर अपने कोमल कर का स्पर्श क्यों करना चाहता है?

- क) कवि प्रकृति के अवसाद व आलस्य को समाप्त करना चाहता है
- ख) कवि प्रेम का अहसास करना चाहता है
- ग) क्योंकि कवि फूलों के सौंदर्य से परिचित होना चाहता है
- घ) क्योंकि कवि फूलों को सौंदर्य से परिचित करना चाहता है

5. कवि प्रकृति के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं?

- क) प्रकृति खिली रहे
- ख) उसके जीवन का आलस्य, निराशा व प्रमाद सब दूर हो जाए और वह नवीन कार्यों की ओर अग्रसर हो सके
- ग) वह आगे बढ़ता रहे
- घ) अनवीनता की खोज

खंड - घ

प्रश्न 9. दूरदर्शन वरदान या अभिशाप - इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए 5

दूरदर्शन वरदान या अभिशाप

दूरदर्शन विज्ञान की महत्वपूर्ण खोज एवं मनोरंजन का प्रभावशाली साधन है। सन् 1925 में जे एल बेयर्ड ने इसके आविष्कार किया था। आज संपूर्ण विश्व में इसका जाल बिछ गया है। वर्तमान युग में यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अहम भूमिका निभाता है। मनोरंजन का साधन होने के साथ-साथ यह ज्ञान विज्ञान की बातों से परिचित कराता है। हमें घर बैठे ही देश-विदेश की खबरें एवं खेलों की जानकारी मिल जाती है। संचार का अत्यंत सशक्त यह साधन प्रत्येक आयु वर्ग के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। जहाँ एक ओर इसने सम्पूर्ण विश्व को एक दूसरे के करीब ला दिया है, वही दूसरी ओर विभिन्न चैनलों पर प्रसारित होने वाले भिन्न-भिन्न कार्यक्रमों ने परिवार के ही लोगों को अलग-अलग कमरों में बंद कर दिया है। इस पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों व विज्ञापनों का लोग अंधानुकरण करते हैं। जो कदापि उचित नहीं। आवश्यकता है कि हम इसकी उपयोगिता को समझे और इसे मानव जाति के लिए वरदान सिद्ध होने दे अभिशाप नहीं।

प्रश्न 10. मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए।

5

केंद्रीय विद्यालय छात्रावास

राजौरी गार्डन

नई दिल्ली

दिनांक : 03 फरवरी, 2017

प्रिय मित्र अनुज

सप्रेम नमस्ते

अभी-अभी तुम्हारा पत्र मिला। अंतर्विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह पढ़कर मन खुशी से झूम उठा। इस अवसर पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करो। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम भविष्य में ऐसी ही सफलताएँ प्राप्त करते रहो।

तुम्हारे माता पिता को मेरी ओर से सादर प्रणाम तथा छोटी बहन हीना को प्यार।

तुम्हारा मित्र

अमर